भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

निर्गम - परिणाम मॉनिटरिंग फ्रेमवर्क दस्तावेज: 2019-20

मांग सं. 60

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

जल शक्ति मंत्रालय **मांग सं. 60**

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

1 राष्ट्रीय नदी संरक्षण कार्यक्रम- (केंद्र क्षेत्र स्कीम):

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	*निर्गम*	*संकेतक*	*लक्ष्य 2019-20*	*परिणाम*	*संकेतक*	*लक्ष्य 2019-20*
1220	गंगा में गंदे पानी को सीधे गिरने से रोककर गंगा नदी की सुरक्षा, स्थिरता और संरक्षण	सीवेज परिशोधन संयंत्रों की संख्या	90 (2018-19 के लक्ष्य समेत)	2022 तक स्नान के लिए निर्धारित मानकों को प्राप्त करने हेतु जल गुणवत्ता में सुधार	बेहतर जल गुणवत्ता	बीओडी की कमी और डीओ में वृद्धि के रूप में जल गुणवत्ता में सुधार किया जाना है।
		सीवेज परिशोधन क्षमता (एमएलडी)	1500 (2018-19 के लक्ष्य सहित)			

2. राष्ट्रीय गंगा योजना और घाट निर्माण कार्य - नमामि गंगे (केंद्र क्षेत्र स्कीम)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	*लक्ष्य 2019-20*
750						

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	*लक्ष्य 2019-20*
	1. गंगा में औद्योगिक कचरे के प्रत्यक्ष निस्सरण के विनियमन द्वारा प्रदूषण में कमी और जल गुणवत्ता की निगरानी के	अनुपालन न करने वाले सकल प्रदूषणकारी उद्योगों की संख्या में कमी	150	2022 तक स्नान के लिए निर्धारित मानकों को प्राप्त करने हेतु जल गुणवत्ता में सुधार	बीओडी की मात्रा में परिवर्तन	≤ 3 मिग्रा/ली
		स्थापित जल गुणवत्ता निगरानी केंद्रों की संख्या (मैनुअल और तत्काल समय)	40 तत्काल जल गुणवत्ता निगरानी केंद्र		डीओ की मात्रा में परिवर्तन	≥ 5 मिग्रा/ली
	1. गंगा में गंदे पानी को सीधे गिरने से रोककर गंगा नदी की सुरक्षा, स्थिरता और संरक्षण	सीवेज परिशोधन संयंत्रों की संख्या	40 (2018-19 के लक्ष्य समेत)	2022 तक स्नान के लिए निर्धारित मानकों को प्राप्त करने हेतु जल गुणवत्ता में सुधार	बेहतर जल गुणवत्ता	बीओडी की कमी और डीओ में वृद्धि के रूप में जल गुणवत्ता में सुधार किया जाना है।
		सीवेज परिशोधन क्षमता (एमएलडी)	1000 (2018-19 के लक्ष्य सहित)			
	3. नदी के किनारों पर सफाई बनाए रखना और सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यों के लिए बेहतर अवसंरचना	घाटों का निर्माण/ आधुनिकीकरण	85 (वर्ष 2018-19 के 75 के लक्ष्य समेत)	जन सहभागिता के लिए सामाजिक पहुंच को बढ़ाना और स्वास्थ्यकर तथा स्वच्छ पद्धतियों को बढ़ावा।	घाटों और मोक्ष धामों में लोगों की आवाजाही को बढ़ाना	लोगों को गंगा नदी के अधिक करीब लाने के लिए घाटों और मोक्ष धामों पर लोगों की आवाजाही में सुधार
	4. अंतिम संस्कार, गंगा नदी में अधजले शरीरों को बहाने से रोकने हेतु बेहतर अवसंरचना।	शवदाहगृहों का निर्माण/विकास करना।	36 (2018-19 के लक्षित 26 सहित)			
	5. आईईसी कार्यकलाप।	मेला/सामूहिक स्नान/प्रदर्शनियों/ प्रतियोगिताओं/ विज्ञापनों में आईईसी कार्यकलाप/सोशल मीडिया का उपयोग तथा निरंतर चलने वाले कार्यकलाप।	पूरे वर्ष में 15 दिनों के सामूहिक जागरूकता कैंपेनों सहित (गंगा स्वच्छता पखवाड़ा, स्वच्छता ही सेवा तथा वृक्षारोपण अभियान आदि) में लगभग 50 कार्यकलाप, स्थानीय त्योहारों तथा अवसरों के दौरान विभिन्न आयोजन (कांवड़ यात्रा, चार धाम यात्रा, गढ़मुक्तेश्वर मेला, माघ मेला, कुंभ मेला, दीप दीपावली तथा कार्तिक	आईईसी कार्यकलापों के माध्यम से जागरूकता तथा व्यवहार में परिवर्तन लाना।	जनता के बीच बढ़ती हुई जागरूकता।	सहभागिता की दृष्टि से विभिन्न कार्यकलापों में बढ़ती हुई जागरूकता।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	*लक्ष्य 2019-20*
			पूर्णिमा आदि) (अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले, अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक त्योहार), प्रतियोगिताओं आदि के दौरान प्रदर्शनियां।			
	6. जैव-विविधता संरक्षण तथा गंगा पुनरूद्धार।	स्थानीय समुदायों की मदद से जख्मी जानवरों को कम से कम पकड़कर चयनित जलीय प्रजातियों में जोखिम को कम करना। (विवरण: यह माना जाता है कि स्थानीय समुदायों को शामिल करके बेहतर संरक्षण प्रयासों के द्वारा जलीय प्रजातियों को होने वाली क्षति की घटनाओं को कम किया जा सकेगा। अतः क्षतिग्रस्त जानवरों की संख्या संरक्षण कार्यक्रम की सफलता का एक संकेतक है।)	1. अन्य अभिकरणों हेतु पुनरावृत्ति हेतु मॉडल रेस्क्यू के संस्थापन तथा केन्द्र के पुनर्वास के लिए कार्ययोजना तैयार करना। 2. संरक्षण और पुनरूद्धार योजनाओं में स्थानीय समुदायों को शामिल करना। (विवरण: तस्करी आदि के द्वारा होने वाली क्षति को कम करना स्थानीय समुदाय को एक साथ करने का लक्ष्य है। इसके अतिरिक्त, क्षतिग्रस्त प्रजातियों का बचाव तथा केन्द्र का पुनर्वास करना मददगार होगा।)	प्रतिष्ठित प्रजातियों की उपलब्धता में वृद्धि तथा गंगा नदी की वितरण रेंज में सुधार।	वितरण रेंज में साइटिंग में वृदधि।	*
		संरक्षण हेतु प्रजातिवार स्ट्रेचेज का पता लगाना।	सभी संभव स्ट्रेचेज का पता लगाना जहां पर प्रतिष्ठित प्रजातियों को संरक्षित किया जाना है।	विशिष्ट प्रजातियों के लिए अच्छी तरह से परिभाषित स्ट्रेचेज को विकसित करना।	जनता की स्वस्थ रूप से भागीदारी तथा अकादमिक हित।	**
		गैंगेटिक कॉर्पस, महाशीर तथा हिल्सा मछली की उपलब्धता में बढ़ोत्तरी।	गंगा नदी के चयनित 18 स्टेशनों में मछली की उपलब्धता में अभूतपूर्व वृद्धि।	किफायती कीमतों पर उपभोक्ताओं की मांग को पूरा करना।	एक वर्ष की अवधि के दौरान मछली के मूल्य में मानक विचलन।	**
				गंगा नदी के लिए बेहतर मतस्य जैव-विविधता। मछली पकड़ने वाले समुदायों के बीच मछली के संरक्षण के संबंध में बढ़ी हुई जागरूकता।	सर्वश्रेष्ठ पद्धतियों के लिए अपनायी जाने वाली दर (%)	*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	*लक्ष्य 2019-20*
	7. वनरोपण	डीपीआर के अनुसार वनरोपण (हेक्टेयर में) के अंतर्गत कवर किया गया क्षेत्र।	गंगा नदी के तट के किनारे के राज्यों अर्थात उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल राज्यों में लगभग 16 हजार हेक्टेयर। भूमि को वनरोपित किया जाना है।	वर्षा की गुणवत्ता और मात्रा में सुधार, जिससे कि नदी तथा अविरल धारा की समग्रता में सुधार करने के उद्देश्य में मदद मिलेगी।	गंगा नदी के पास वनों में कवर किया गया क्षेत्र	16000 हेक्टेयर क्षेत्र वनरोपित किया जाना है।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	*लक्ष्य 2019-20*	निर्गम	संकेतक	*लक्ष्य 2019-20*
	1. सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यकलापों हेतु नदी किनारों पर स्वच्छता की व्यवस्था करना तथा बेहतर अवसंरचना।	घाटों का निर्माण /आधुनिकीकरण	50 (2018-19 के लक्षित 12 सहित)	1. जैसी कि परिकल्पना की गई है बेहतर सार्वजनिक सुविधाएं।	1.1 सार्वजनिक सर्वेक्षणों से प्राप्त संतुष्टि स्तर	***
	2. अंतिम संस्कार के लिए बेहतर अवसंरचना, गंगा नदी में अधजले शरीरों को बहाने से रोकना हेतु बेहतर अवसंरचना।	शवदाहगृहों का निर्माण/विकास	6 (2018-19 के लक्षित 5 सहित)			

* संख्यात्मक लक्ष्यों को निर्धारित करने के लिए संकेतक का स्वबरूप जवाबदेह नहीं है

** इस संकेतक के लिए लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता क्योंकि यह एक मांग आधारित स्कीम है।
*** बेस लाइन निर्धारित की जानी है।

3 (A) प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) -त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम (एआईबीपी) - (केंद्र प्रायोजित स्कीम):

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	*निर्गम*	*संकेतक*	*लक्ष्य 2019-20*	*परिणाम*	*संकेतक*	*लक्ष्य 2019-20*
1994.00*	1. 48 परियोजनाओं के एआईबीपी निर्माण कार्यों का कार्यान्वयन	कुल 68 एआईबीपी परियोजनाएं प्रगति पर हैं।	कुल मिलाकर पूर्ण-34	अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का सृजन	पीएमकेएसवाई-एआईबीपी के जरिए सृजित कुल अतिरिक्त सिंचाई क्षमता (हे.)	जून, 2019 तक 10 लाख हे. और सभी परियोजनाएं के पूरा होने पर 34.5 लाख हे.
					1.2 पीएमकेएसवाई-एआईबीपी के जरिए सृजित	सीएडीडब्ल्यूएम, कृषि विस्तार कार्यों आदि के पूरा होने पर 100

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	***निर्गम***	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***	***परिणाम***	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***
	तीव्र किया गया। 03/19 तक 31 परियोजनाएं पूर्ण/लगभग पूर्ण हो चुकी हैं।				अवसंरचना के माध्यम से उपयोग की गई सिंचाई क्षमता का % (लाख हे.)	
		पूर्ण होने वाली संभावित एआईबीपी परियोजनाओं की संख्या	कुल मिलाकर पूर्ण-65 (दिसंबर, 2019 तक)	परिणाम स्वरूप फसलों की पैदावार और किसानों की आय में बढ़ोत्तरी, भूमिजल पुनर्भरण तथा अन्य प्रयोगों के लिए जल की उपलब्धता बढ़ाना।	2.1 पीएमकेएसवाई-एआईबीपी द्वारा बढ़ी हुई सिंचाई से फसल पैदावार बढ़ना।	**
					2.2 पीएमकेएसवाई-एआईबीपी के परिणाम स्वरूप भूमिजल स्तर में वृद्धि	**

* पीएमकेएसवाई के तहत नाबार्ड से ऋण के लिए ब्याज भुगतान शामिल है।

** बेस लाइन निर्धारित की जानी है।

3 (ख). प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) - हर खेत को पानी (केंद्र प्रायोजित स्कीम)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
1069.55	1. चिह्नित प्राथमिकृत परियोजनाओं में सीएडीडब्ल्यूएम कार्य जारी रहेंगे। स्कीम के आरआरआर/एसएमआई घटकों की प्रगति को तेज करना	1.1 कवर किया गया कृषि कमान क्षेत्र (हे.)	10 लाख हे. शेष कृषि कमान क्षेत्र (सीसीए) में सीएडी निर्माण कार्य	1. 1 सृजित सिंचाई क्षमता और उपयोग की गई सिंचाई क्षमता के अंतर को कम करना।	1.1. अतिरिक्त कृषि कमान क्षेत्र में सिंचाई क्षमता का उपयोग (हे.)	10 लाख हे. सीसीए
		1.1 सृजित जल प्रयोक्ता संघों की संख्या	2000	1.2. सहभागी सिंचाई प्रबंधन का सुदृढ़कीकरण	1.2 निर्मित जल प्रयोक्ता संघों के जरिए सहभागी सिंचाई प्रबंधन के लिए शामिल कमान क्षेत्र	10 लाख हे.
		1.2. पूरी की जाने वाली आरआरआर एवं एसएमआई परियोजनाओं की संख्या	100 परियोजनाएं/ जल निकाय	2. अतिरिक्ति सिंचाई क्षमता का सृजन	2. सृजित अतिरिक्त सिंचाई क्षमता (लाख हे.)	0.50 लाख हे.

4. प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) - बाढ़ प्रबंधन एवं सीमा क्षेत्र कार्यक्रम (एफएमबीएपी) - (केंद्र प्रायोजित स्कीम):

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	*निर्गम*	*संकेतक*	*लक्ष्य 2019-20*	*परिणाम*	*संकेतक*	*लक्ष्य 2019-20*
700	1. गंभीर क्षेत्रों में नदी प्रबंधन, कटावरोधन, बाढ़ नियंत्रण, क्षतिग्रस्त बाढ़ नियंत्रण कार्यों का पुनरुद्धार और समुद्री कटावरोधी निर्माण कार्यों का निर्गम	1.1. चल रही 99 परियोजनाओं में पूर्ण हुए बाढ़ प्रबंधन निर्माण कार्यों की कुल संख्या	99	1. चुनिंदा नदी जल ग्रहण क्षेत्रों में बाढ़, नदी कटाव से होने वाली क्षति में कमी।	1.1. कार्यकलापों के तहत लाभान्वित कुल आबादी	78.3 लाख
					1.2. नए निर्माण कार्यों से सुरक्षित कुल क्षेत्र	10.51 लाख हे.
	2. भारत और नेपाल दोनों द्वारा पंचेश्वर बहुउद्देश्यीय परियोजना की	2.1. भारत और नेपाल दोनों द्वारा पंचेश्वर बहुउद्देश्यीय परियोजना की	हां.	2. चुनिंदा नदी जल ग्रहण क्षेत्र में बाढ़, नदी कटाव से होने वाली क्षति में कमी और पीएमपी के संबंधित निर्माण	2.1. पंचेश्वर बहुउद्देश्यीय परियोजना का जब निर्माण हो जाएगा और यह कार्य करना शुरू कर	चूकिं परियोजना डीपीआर/अन्वेषण चरण में है अतः परिणाम की गणना नहीं की गई है।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	***निर्गम***	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***	***परिणाम***	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***
	डीपीआर को जल्दी अंतिम रूप देना, पंचेश्वर बहुउद्देश्यीय परियोजना के संबंधित निर्माण पूर्व कार्य और सप्तकोशी उच्च बांध एवं सनकोशी डायवर्जन स्कीम की डीपीआर तैयार करना तथा सीमा क्षेत्र परियोजनाओं में अन्य बाढ़ प्रबंधन निर्माण कार्य	डीपीआर को अंतिम रूप देना (हां/नहीं)		पूर्व कार्य	देगी तो निम्नलिखित लाभ होंगे: <u>विद्युत:</u> 5040 मेगावाट (भारत को 2520 मेगावाट, नेपाल को 2520 मेगावाट) <u>सिंचाई:</u> 0.43 मि.हे. (भारत को 0.26 मि.हे. + नेपाल को 0.17 मि. हे.) ग. बाढ़ नियंत्रण लाभ	
		2.2. सप्तकोशी उच्च बांध एवं सनकोशी डायवर्जन स्कीम की डीपीआर तैयार करने की कार्रवाई (हां/नहीं)	हां.			
		2.2. नेपाल के हिस्से में कोशी एवं गंडक नदी के तटबंधों का रख-रखाव।	निरंतर प्रक्रिया, निर्माण कार्य संबंधी निर्णय गंडक एवं कोशी उच्च स्तरीय समितियों द्वारा लिया जाना है।			

5. प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) -सिंचाई गणना- *(केंद्र प्रायोजित स्कीम)*:

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	**निष्पादन 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	***निष्पादन***	***सूचक***	***2019-20***	***परिणाम***	***सूचक***	***2019-20***
50.00	छठी लघु सिंचाई गणना में जल निकायों की गणना करना	1.1. राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा छठी लघु सिंचाई गणना और पहली जल निकाय गणना के क्षेत्र कार्य करना।	(i) ज्यादातर राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा निर्धारित समय सीमा में छठी सिंचाई गणना और पहली जल निकाय गणना का क्षेत्र कार्य पूरा करना (ii) गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए दौरों/निरीक्षण के माध्यम से, विनिर्दिष्ट दिशा-निर्देशों/मानकों के अनुसार गणना के क्षेत्र कार्य की प्रगति की निगरानी/जांच	1 लघु सिंचाई क्षेत्र में सूचित आयोजना एवं नीति निर्माण	1.1. डाउनलोड की गई गणना रिपोर्टों की संख्या- छठी लघु सिंचाई गणना एवं जल निकाय गणना	चूंकि छठी लघु सिंचाई गणना और जल निकायों की गणना वर्ष 2018-19 में शुरु की गई है अतः गणना की रिपोर्ट 2020-21 में प्रकाशित होने की संभावना है। इसलिए गणना रिपोर्टों के प्रकाशन के बाद ही लक्ष्य प्रचालित होंगे।
		1.2. राज्यों/संघ राज्य राज्य क्षेत्रों द्वारा आकड़ा प्रविष्टि, वैधीकरण एवं अद्यतन करने समेत छठी लघु	(i) छठी लघु सिंचाई गणना और पहली जल निकाय गणना के लिए आकड़ा प्रविष्टि/ हेतु मोबाइल एप और सॉफ्टवेयर का सुचारू		1.2. संस्थानों/ संगठनों (निजी एवं सार्वजनिक) से आकड़ों संबंधी प्राप्त पत्रों की संख्या-) छठी लघु सिंचाई गणना और	

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निष्पादन 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	*निष्पादन*	*सूचक*	*2019-20*	*परिणाम*	*सूचक*	*2019-20*
		सिंचाई गणना और जल निकाय गणना के लिए आकड़ा प्रक्रियान्वयन कार्य	उपयोग सुनिश्चित करना। यदि कोई खामी हो तो उसे तुरंत दूर करना।		जल निकाय गणना	
			(ii) जिन राज्यों नें नियोजित समय सीमा में क्षेत्र कार्य प्रारंभ किए उनके द्वारा आकड़ा प्रविष्टि, वैधीकरण और अद्यतनीकरण पूरा		1.3. तैयार गणना रिपोर्टों के पाठ/ संदर्भों की सं-) छठी लघु सिंचाई गणना और जल निकाय गणना।	

6. प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) -महाराष्ट्र में सिंचाई परियोजनाओं के लिए विशेष पैकेज- *(केंद्र प्रायोजित स्कीम)*:

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निष्पादन 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	*निष्पादन*	*सूचक*	*2019-20*	*परिणाम*	*सूचक*	*2019-20*
300.00	बृहत एवं मध्यम सिंचाई (एमएमआई) और सतही लघु सिंचाई (एसएमआई) परियोजनाओं का	पूरी हुई बृहत एवं मध्यम सिंचाई (एमएमआई) परियोजनाओं की संख्या	1	विशेष पैकेज के तहत परियोजनाओं के कमान क्षेत्र में अतिरिक्त सिंचाई क्षमता सृजन तथा उपयोग	सृजित अतिरिक्त सिंचाई क्षमता (लाख हे.)	1.59 लाख हे.
					सिंचाई क्षमता का उपयोग, सीएडीडब्ल्यूएम निर्माण कार्यों, कृषि विस्तार कार्यों आदि पर निर्भर करता है। पैकेज में सीएडीडब्ल्यूएम का कोई घटक नहीं है।	

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निष्पादन 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	*निष्पादन*	*सूचक*	*2019-20*	*परिणाम*	*सूचक*	*2019-20*
	तीव्र कार्यान्वयन	पूरी हुई सतही लघु सिंचाई (एसएमआई) परियोजनाओं की संख्या	0	परिणामस्वरूप फसलों की पैदावार एवं किसानों की आय में वृद्धि; भूमिजल पुनर्भरण और अन्य उपयोगों के लिए जल उपलब्धता में वृद्धि।	पीएमकेएसवाई-एआईबीपी द्वारा बढ़ी हुई सिंचाई से फसल पैदावार बढ़ना।	इसके आकलन के लिए अध्ययन करने की आवश्यकता है और परियोजनाओं के परिणाम दर्शाने के लिए भारत सरकार के विश्वनीय आंकड़ें जारी करने की आवश्यकता है। (चूंकि यह पैकेज वर्ष 2018-19 के दौरान ही शुरू हुआ है अतः परियोजनाओं के पूरा होने पर अध्ययन किया जा सकता है।
					पीएमकेएसवाई-एआईबीपी के परिणामस्वरूप भूमिजल स्तर में वृद्धि	इसके आकलन के लिए अध्ययन करने की आवश्यकता है और परियोजनाओं के परिणाम दर्शाने के लिए भारत सरकार के विश्वनीय आंकड़ें जारी करने की आवश्यकता है। (चूंकि यह पैकेज वर्ष 2018-19 के दौरान ही शुरू हुआ है

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निष्पादन 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	*निष्पादन*	*सूचक*	*2019-20*	*परिणाम*	*सूचक*	*2019-20*
						अतः परियोजनाओं के पूरा होने पर अध्ययन किया जा सकता है।

7. **फरक्का बैराज परियोजना** *(एफबीपी): केन्द्र क्षेत्र स्कीमें:*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निष्पादन 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	*निष्पादन*	*सूचक*	*लक्ष्य 2019-20*	*परिणाम*	*सूचक*	*लक्ष्य 2019-20*
150.00	1. फरक्का बैराज और संबद्ध संरचनाओं का प्रचालन और रख-रखाव	1.1. फरक्का बैराज के पुराने गेटों को बदलना	24 गेट	1. फीडर नहर द्वारा ऊपरी क्षेत्र में आपूर्ति बढ़ाना, जिसके द्वारा भागीरथी हुगली नदी प्रणाली में व्यवस्था और नौचालन में सुधार करना और कोलकाता बंदरगाह का संरक्षण करना। भारत-बांग्लादेश के बीच गंगा नदी के जल बटवारे संबंधी 1996 की संधि का सफलतापूर्वक कार्यान्वयन।	1.1. फीडर नहर से हुगली-भागीरथी नदी प्रणाली में नौवहन प्रचालन सुचारू हुआ है। (हां/नहीं)	हां
		1.2. फरक्का बैराज के मूल कार्य क्षेत्र में नदी तट सुरक्षा/कटावरोधी निर्माण कार्य	3.5 कि.मी.		1.2. फीडर नहर से एनटीपीसी ताप विद्युत संयंत्र को 2500 क्यूसेक जल आपूर्ति की गई। (हां/नहीं)	हां

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निष्पादन 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	*निष्पादन*	*सूचक*	*लक्ष्य 2019-20*	*परिणाम*	*सूचक*	*लक्ष्य 2019-20*
		1.3 फरक्का बैराज की प्रचालन प्रणाली के गेट का स्वचालन	100%			

8.* बांध पुनरूद्धार एवं सुधार कार्यक्रम (डीआरआईपी) (केन्द्र क्षेत्र स्कीम)*:

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए	निष्पादन 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निष्पादन**	**सूचक**	**लक्ष्य *2019-20***	**परिणाम**	**सूचक**	**लक्ष्य *2019-20***
90.00	1.पुनरूद्धार करके बांध की सुरक्षा स्थितियों में सुधार	1.1. बांध सुरक्षा क्षेत्र संबंधी दिशा-निर्देशों को अंतिम रूप देना	बांध सुरक्षा के विभिनन पहलुओं के संबंध में 4 दिशा-निर्देशों को अंतिम रूप दिया जाना है।	1. पुनरूद्धार करके बांध की सुरक्षा स्थितियों में	1.1. बांधों की संख्या जिनमें आपातकालीन कार्य योजनां/आपदाप्रबंधन योजना कार्यान्वित की गई।	20
		1.2. गैर-डीआरआईपी वाले राज्यों जहां डीएचएआरएमए कार्यान्वित किया गया है, में बांधों की संख्या	11 गैर-डीआरआईपी राज्यों के साथ लाइसेंस साझा किया गया है। गैर-डीआरआईपी राज्यों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। डीआरआईपी			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए	निष्पादन 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निष्पादन	सूचक	लक्ष्य *2019-20*	परिणाम	सूचक	लक्ष्य *2019-20*
			फेज-।। और ।।। में सभी प्रस्तावित बांधों के संबंध में आंकड़ा प्रविष्टि को तीव्र किया जाना है।			
	2. जल संसाधन के डीआरआईपी अधिकारियों का क्षमता निर्माण	2.1. आयोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	20	2. जल संसाधन के अधिकारियों का क्षमता निर्माण	2.1. डीएचएआरएमए में प्रशिक्षित डीआरआईपी अधिकारियों की संख्या	200
		2.2 आयोजित अंतर-राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	1			
	3.आधुनिक जोखिम आधारित संकल्पना का प्रयोग करके बांध का व्यापक मूल्यांकन	3.1. बांधों की संख्या जिनके संबंध में आपातकालीन कार्य योजनाओं के लिए आप्लावन मानचित्र और बांध टूटन विश्लेषण तैयार किया गया है।	40	3.1 अनुप्रवाह में लोगों, संपत्ती एवं पर्यावरण की सुरक्षा में सुधार के लिए संबंधित डीआरआईपी बांधों से जुड़ें जोखिमों को समाप्त करना।	3.1 बांधों की संख्या जिनकी संबंध में डीवीए विकसित किया जाना है।	40

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए	निष्पादन 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निष्पादन	सूचक	लक्ष्य *2019-20*	परिणाम	सूचक	लक्ष्य *2019-20*
		3.2 वह क्षेत्र जिसके लिए भूकंपीय हजार्ड मानचित्रण अध्ययन किए गए।	1.29 मीटर वर्ग किमी. क्षेत्र के लिए भूकंपीय हजार्ड मानचित्रण किया जाना है।	3.2 जल संसाधना विभागों तथा अन्य पेशेवरों की भूंकप से निपटने संबंधी तैयारी को बढ़ाना।	3.2 भूंकप खतरा आकलन सूचना प्रणाली (एसएचएआईएस) का विकास	100%
		3.3 आधुनिक जोखिम आधिरत संकल्पना का उपयोग करते हुए मूल्यांकित किए	प्रक्रियात्मक मुद्दों के कारण अनुमोदित नहीं किए गए प्रस्ताव			

9. **नदी बेसिन प्रबंधन** *(***आरबीएम***) - (***केन्द्रीय क्षेत्र योजना***):*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	**निष्पादन 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	***निष्पादन***	***सूचक (एस)***	***लक्ष्य 2019-20***	***निष्पादन***	***सूचक (एस)***	***लक्ष्य 2019-20***
225.01 [कुल आरबीएम (क+ख+ग) स्कीमें]						
क. जल संसाधन विकास स्कीमों - राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण (एनडब्ल्यूडीए) की जांच						
	• निविदा तथा संविदा प्रदान करना। • डीपीआर तथा डीपीआर निर्माण कार्यों की तैयारी	1.1.केन-बेतवा चरण-। और ।। (नहीं की गई तैयारी/तैयारी की गई/स्वीकृत) हेतु निविदा और संविदा को प्रदान करना।	एनएचपीसी द्वारा ईपीसी मोड के अंतर्गत निविदा दस्तावेजों की तैयारी जारी रहेगी।	1. सभी नदी परियोजनाओं को आपस में जोड़ने से केवल दीर्घावधि परिणाम प्राप्त होंगे। निर्माण कार्यों को सभी सांविधिक स्वीकृतियों के बाद ही आरंभ किया जा सकेगा तथा इसमें 6 से 8 वर्षों का समय लगेगा। अतः किसी आईएलआर परियोजना के	1.1.केन-बेतवा चरण-। एवं ।। परियोजना (पूरा होने (क) हेक्टेयर में सीसीए: एमपी: 653368 यूपी: 251064 कुल: 904432 1.1. केन-बेतवा चरण-। एवं ।। परियोजना (पूरा होने पर) ख) उत्तर प्रदेश और मध्य	चरण-।। की वन स्वीकृति तथा चरण-। के घटकों के लिए माननीय उच्च न्यायालय की सीईसी स्वीकृति को छोड़कर सभी सांविधिक स्वीकृतियां प्राप्त की जा चुकी हैं। कार्यान्वयन हेतु मसौदा समझौता ज्ञापन को उत्तर

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निष्पादन 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	*निष्पादन*	*सूचक (एस)*	*लक्ष्य 2019-20*	*निष्पादन*	*सूचक (एस)*	*लक्ष्य 2019-20*
	करना। • डीपीआर के बाद के कार्यकलाप।			कार्यान्वयन के पश्चात ही परिणाम प्राप्त होंगे।	प्रदेश की 62.94 लाख जनसंख्या के लिए पेयजल आपूर्ति कुल : 228.9 एमसीएम	प्रदेश और मध्य प्रदेश सरकारों को भेज दिया गया है। विस्तृत डीपीआर में चरण-। में चरण-।। के घटकों को मिला दिया गया है।
					1.1. केन-बेतवा चरण-। एवं ।। परियोजना (पूरा होने पर) ग) विद्युत सृजन : 103 मेगावाट (जल) 27 मेगावाट (सौर) कुल विद्युत सृजन :130 मेगावाट	
		1.2. संविदा के लिए इन्हें निविदा प्रदान करना क. दमनगंगा-पिंजाल जोड़ (नहीं किया गया / तैयारी की गई / स्वीकृत तथा ख. पार-तापी-नर्मदा	**क**. नहीं किया गया।		1.2.दमनगंगा-पिंजाल संपर्क (पूरा होने पर) पेयजल क) मुंबई शहर के लिए (पिंजाल घटक को छोड़कर) 579 एमसीएम जल आपूर्ति। ख) विद्युत सृजन - 5 मेगावाट	कार्यान्यवन हेतु महाराष्ट्र और गुजरात सरकारों को मसौदा समझौता ज्ञापन भेज दिया गया।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निष्पादन 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	*निष्पादन*	*सूचक (एस)*	*लक्ष्य 2019-20*	*निष्पादन*	*सूचक (एस)*	*लक्ष्य 2019-20*
		जोड़ परियोजना (नहीं किया गया / तैयारी की गई / स्वीकृत)	**ख**. नहीं किया गया।		पार-तापी-नर्मदा संपर्क परियोजना (पूरा होने पर) क) गुजरात के सूखा संभावित क्षेत्र में 2.32 लाख हेक्टेयर की वार्षिक सिंचाई ख) जनजातीय क्षेत्र सहित 76 एमसीएम की पेयजल आपूर्ति ग) विद्युत सृजन :21 मेगावाट	चूंकि परियोजना डीपीआर/जांच के चरण में है। इसलिए इस वर्ष मापने योग्य कोई भी परिणाम नहीं है। कार्यान्यवन हेतु महाराष्ट्र और गुजरात सरकारों को मसौदा समझौता ज्ञापन भेज दिया गया।
		1.**3** गोदावरी-कावेरी संपर्क परियोजना के डीपीआर के पश्चात के कार्यकलाप 1.4. इनके लिए डीपीआर और डीपीआर निर्माण कार्यों की तैयारी: क. महानदी-गोदावरी संपर्क (नहीं की गई / तैयारी की गई / स्वीकृत) ख.मानस-संकोश-तीस्ता	पक्षकार राज्यों की टिप्पणियों हेतु डीपीआर को परिचालित करना। 1.4. क. नहीं किया गया।		1.3 गोदावरी-कावेरी (वैकल्पिक) संपर्क परियोजना पूरा होने पर लाभ: क) वार्षिक सिंचाई:11.16 लाख हेक्टेयर ख) नगरपालिका एवं औद्योगिक आवश्यकताएं:1015 एमसीएम 1.4. महानदी-गोदावरी संपर्क (पूरा होने पर) क) वार्षिक सिंचाई -	चूंकि परियोजना डीपीआर/जांच के चरण में है। इसलिए इस वर्ष मापने योग्य कोई भी परिणाम नहीं है। वैकल्पिक बारमूल बांध विकल्प के साथ एनआईएच द्वारा जल विज्ञान संबंधी अध्ययन किए गए थे तथा ओडिशा सरकार को भेज दिए गए। महानदी-गोदावरी संपर्क

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निष्पादन 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	*निष्पादन*	*सूचक (एस)*	*लक्ष्य 2019-20*	*निष्पादन*	*सूचक (एस)*	*लक्ष्य 2019-20*
		गंगा संपर्क (नहीं की गई / तैयारी की गई / स्वीकृत)	ख. नहीं किया गया।		ओडिशा और आंध्र प्रदेश में 4.43 लाख हेक्टेयर ख) घरेलू जल आपूर्ति - 366 एमसीएम ग) औद्योगिक जल आपूर्ति - 436 एमसीएम घ) दक्षिण में आगे अंतरण करने हेतु 6500 एमसीएम का गोदावरी में अंतरण ङ) विद्युत सृजन - 960 मेगावाट मानस-संकोश-तीस्ता-गंगा संपर्क (पूरा होने पर) सीसीए - असम, पश्चिम बंगाल और बिहार में 6.54 लाख हेक्टेयर विद्युत सृजन - 805	परियोजना के संबंध में सहमति लंबित है, गोदावरी के जल को कावेरी में डायवर्ट करने के लिए किए गए वैकल्पिक अध्ययनों की जांच कर ली गई है तथा डीपीआर की तैयारी प्रगति में है। फॉरेस्ट फ्री विकल्प के साथ एफआर की तैयारी अंतिम चरण में है।
		1.5. इनके लिए डीपीआर और डीपीआर निर्माण कार्यों की तैयारी कर ली गई है: क. गंगा-दामोदर-	क. नहीं किया गया।		1.5 गंगा-दामोदर-सुवर्णरेखा संपर्क (पूरा होने पर) क) वार्षिक सिंचित क्षेत्र (हे.) पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा कुल (लाख	चूंकि परियोजना डीपीआर/जांच के चरण में है। इसलिए इस वर्ष मापने योग्य कोई भी परिणाम नहीं है।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निष्पादन 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	*निष्पादन*	*सूचक (एस)*	*लक्ष्य 2019-20*	*निष्पादन*	*सूचक (एस)*	*लक्ष्य 2019-20*
		सुवर्णरेखा संपर्क (नहीं की गई / तैयारी की गई / स्वीकृत) ख. सुवर्णरेखा-महानदी संपर्क (नहीं की गई / तैयारी की गई / स्वीकृत) और ग. शारदा-यमुना संपर्क (नहीं की गई / तैयारी की गई / स्वीकृत)	ख. नहीं किया गया। ग. नहीं किया गया।		हेक्टेयर) 7.60 0.55 0.33 8.4 ख) जल आपूर्ति: घरेलू-औद्योगिक और खारे जल आवश्यकताओं के 1241 एमसीएम ग) शेष बचे जल को महानदी में अंतरित किया जाएगा: 21031 एमसीएम तथा अतिरिक्त को दक्षिण में । सुवर्णरेखा-महानदी संपर्क (पूरा होने पर) वार्षिक सिंचित क्षेत्र (हेक्टेयर) : पश्चिम बंगाल ओडिशा कुल (हे.) 18000 36500 54500 शारदा-यमुना संपर्क (पूरा होने पर) वार्षिक सिंचित क्षेत्र	मानस-संकोश-तीस्ता-गंगा संपर्क परियोजना के पूरा होने पर अध्ययन निर्भर करते हैं, जिसके लिए वर्तमान में एफआर अंतिम चरण में है। चूंकि परियोजना डीपीआर/जांच के चरण में है। इसलिए इस वर्ष मापने योग्य कोई भी परिणाम नहीं है। नेपाल में प्रतिप्रवाह में स्थित परियोजनाओं के आधार पर परियोजना के एफआर में परिवर्तन किया जाएगा। अब तक, इस वर्ष

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निष्पादन 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	*निष्पादन*	*सूचक (एस)*	*लक्ष्य 2019-20*	*निष्पादन*	*सूचक (एस)*	*लक्ष्य 2019-20*
					(हेक्टेयर) उत्तर प्रदेश उत्तराखंड कुल (लाख हेक्टेयर) 3.45 0.3 3.75	कोई भी मापने योग्य परिणाम सामने नहीं हैं।
		1.6 वेनगंगा-नालगंगा संपर्क (नहीं की गई / तैयारी की गई / स्वीकृत) 1.7 दमनगंगा के लिए डीपीआर की तैयारी (एकदारे)-गोदावरी घाटी (नहीं की गई / तैयारी की गई / स्वीकृत) 1.8 दमनगंगा के लिए डीपीआर की तैयारी वैतरणा-गोदावरी घाटी (नहीं की गई / तैयारी की गई / स्वीकृत)	डीपीआर पूरी कर ली गई तथा महाराष्ट्र सरकार को भेज दी गई। डीपीआर की तैयारी प्रगति में है।		1.6 6 वेनगंगा-नालगंगा संपर्क (पूरा होने पर): क) सीसीए: 3.71 लाख हेक्टेयर ख) पेयजल और औद्योगिक जल आपूर्ति :429 एमसीएम 1.7 दमनगंगा (एकदारे)-गोदावरी घाटी संपर्क परियोजना (पूरा होने पर) सीसीए: 16505 हेक्टेयर घरेलू जल आपूर्ति: 22 एमसीएम औद्योगिक जल आपूर्ति: 21 एमसीएम 1.8 दमनगंगा-वैतरणा-गोदावरी घाटी संपर्क	डीपीआर की तैयारी पूरी कर ली गई तथा महाराष्ट्र सरकार को भेज दी गई। आगे की कार्रवाई महाराष्ट्र सरकार द्वारा की जाएगी। चूंकि परियोजना डीपीआर/जांच के चरण में है। इसलिए इस वर्ष मापने योग्य कोई भी परिणाम नहीं है। डीपीआर की तैयारी प्रगति में है। चूंकि परियोजना

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निष्पादन 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	*निष्पादन*	*सूचक (एस)*	*लक्ष्य 2019-20*	*निष्पादन*	*सूचक (एस)*	*लक्ष्य 2019-20*
			डीपीआर की तैयारी प्रगति में है।		परियोजना (पूरा होने पर) सीसीए: 15484 हे. पेयजल और औद्योगिक जल आपूर्ति: 40 एमसीएम	डीपीआर/जांच के चरण में है। इसलिए इस वर्ष मापने योग्य कोई भी परिणाम नहीं है। डीपीआर की तैयारी प्रगति में है।
ख. **जल संसाधन विकास स्कीमों की जांच - केन्द्रीय जल आयोग**	1.जल विज्ञानीय, सिंचाई आयोजना में पर्यावरण आयामों, खेती की व्यवस्था, फसल के लिए जल की आवश्यकताओं के संबंध में विस्तृत सर्वेक्षणों और जांच तथा अध्ययनों के पश्चात परियोजनाओं की डीपीआर की तैयारी करना।	1.1 निम्नलिखित परियोजनाओं हेतु डीपीआर की तैयारी के लिए जांच संबंधी कार्य: (क) सोनाई सिंचाई परियोजना, असम (ख) तवालंग एचई परियोजना (मिजोरम) (ग) तरमचु एचई परियोजना (सिक्किम) (घ) काली खोला एचई परियोजना (सिक्किम) (ङ) कालेज खोला एचई परियोजना (सिक्किम)	सोनाई सिंचाई परियोजना की डीपीआर की तैयारी पूर्ण कर ली गई। पूर्वोत्तर राज्यों में असम और वालंग जल विद्युत (एचई) विद्युत परियोजनाएं पूर्वोत्तर राज्यों में जल विद्युत (एचई) विद्युत परियोजनाओं हेतु डीपीआर की तैयारी के लिए जांच संबंधी कार्यों को जारी रखना: (क) तरमचु एचई परियोजना (सिक्किम)	1. जल संसाधन परियोजनाओं के विकास और कार्यान्वयन हेतु परियोजना की बैंक योग्य विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की तैयारी इस दिशा में पहला कदम होगा। 2. संकोश बेसिन खासतौर से संकोश जल विद्युत/बहुउद्देशीय परियोजना में डिजाइन को इष्टतम बनाने में भूकंपीय प्रेक्षण मददगार होंगे।	1.निर्भर करने योग्य विस्तृत परियोजना रिपोर्टों (डीपीआर) (हां/नहीं) की तैयारी 2. संकोश जल विद्युत परियोजना बहुउद्देशीय परियोजना में परियोजनाओं के डिजाइन को इष्टतम बनाने के लिए भूकंपीय प्रेक्षणों का उपयोग किया गया।	**हां** **हां**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निष्पादन 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	*निष्पादन*	*सूचक (एस)*	*लक्ष्य 2019-20*	*निष्पादन*	*सूचक (एस)*	*लक्ष्य 2019-20*
			(ख) काली खोला एचई परियोजना (सिक्किम) (ग) कालेज खोला एचई परियोजना (सिक्किम)			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निष्पादिन 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	***निष्पादन***	***सूचक (एस)***	*2019-20*	***निष्पादन***	***सूचक (एस)***	*2019-20*
ग. ब्रह्मपुत्र बोर्ड	1.जारी/नई कटावरोधी, ड्रेनेज विकास कार्य पूर्ण।	1.1 नए निर्माण कार्यों की संख्या-3	1.1.1 उमंगी नदी के कटाव से बलाट गांव का संरक्षण 1.1.2 धोलाहाथीघुली में मौजूदा टाई-बंध का फुल-फ्लेज्ड तटबंध में कन्वर्जन 1.1.3 असम में आरसीसी पारक्युपाइन स्क्रीनों को बिछाना, डैंपेनर्स तथा नीमतीघाट और मिकिरगांव क्षेत्र में स्परों का निर्माण।	कार्य करने के लिए बाढ़ और कटाव से संरक्षण को बढ़ाना, ड्रेनेज जमाव को कम करना तथा कृषि भूमि की पुनर्बहाली और बेहतर अवसंरचना/पर्यावरण।	1.1.1 बाढ़ और कटाव से लोगों तथा भूमि की सुरक्षा की जाएगी। 1.1.2 धोलाहाथीघुली क्षेत्र में संरक्षित किए गए 11 गांवों से प्राप्त लाभों को जारी रखना। 1.1.3 ब्रह्मपुत्र नदी के कटाव से नीमतीघाट और मिकिरगांव क्षेत्र को संरक्षित करना।	1.1.1 दक्षिण पश्चिम खासी पर्वत, मेघालय में बलाट गांव की 300 हे. भूमि और 3250 लोगों का संरक्षण करना। 1.1.2 असम के तिनसुकिया जिले के धोलाहाथीघुली क्षेत्र में 2400 हे. के क्षेत्र के 11 गांवों का संरक्षण जारी रखना। 1.1.3 असम में नीमतीघाट और मिकिरगांव क्षेत्र का संरक्षण।
		1.2 पूर्ण जारी निर्माण कार्यों की संख्या	1.2.1 मनकछार, कलैर-अलगा अंतर्राष्ट्रीय सीमा क्षेत्र का संरक्षण।		1.2.1 कलैर-अलगा, सीसूमाराबीओपी, भारत-बांग्ला सीमा (आईबीबी) संपर्क रोड और आईबी सीमा फेंसिंग पर बड़ी कृषि भूमि का संरक्षण करना।	1.2.1 कलैर-अलगा, भारत-बांग्ला सीमा (आईबीबी) संपर्क रोड पर सीसुमाराबीओपी का संरक्षण तथा दक्षिणसालमारामनकछार जिला, असम में आईबी सीमा फेंसिंग।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निष्पादिन 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	*निष्पादन*	*सूचक (एस)*	*2019-20*	*निष्पादन*	*सूचक (एस)*	*2019-20*
			1.2.2 पश्चिम बंगाल में मनसा नदी के दाएं किनारें पर भजनेर चर्रा, निशिगंज, भोगदेबरी क्षेत्र में ए/ई कार्य		1.2.2 ....हेक्टेयर भूमि संरक्षित होगी और लाभान्वित होने वाले व्यक्तियों की संख्या	1.2.2 बाढ़ और तटकटाव से पश्चिम बंगाल के कुचबिहार जिले में भजनेर चर्रा, निशिगंज भोगदेबरी क्षेत्र की 115 हेक्टेयर भूमि तथा 2500 व्यक्तियों की सुरक्षा
			1.2.3 पश्चिम बंगाल में मनसा नदी के दाएं किनारें पर भोगदेबरी क्षेत्र में तट सुरक्षा कार्य		1.2.3. ....हेक्टेयर भूमि संरक्षित होगी और लाभान्वित होने वाले व्यक्तियों की संख्या	1.2.3 बाढ़ और तटकटाव से पश्चिम बंगाल के कुचबिहार जिले में भोगदेबरी क्षेत्र की 128 हेक्टेयर भूमि तथा 2000 व्यक्तियों की सुरक्षा
			1.2.4 बाढ़ और तटकटाव से माजुली द्वीप की सुरक्षा के लिए निष्पादित कार्यों के अनुरक्षण को जारी रखना।		1.2.4 बाढ़ और तटकटाव से माजुली द्वीप का संरक्षण	1.2.4 बाढ़ और तटकटाव से असम के माजुली द्वीप का संरक्षण
			1.2.5 माजुली द्वीप के सुरक्षा कार्य को करने के लिए बोर्ड के अवसंरचना विकास हेतु 30% कार्य		1.2.5 माजुली में कार्यरत ब्रह्मपुत्र बोर्ड के अधिकारियों और	1.2.5 काम करने के माहौल में सुधार किया जाएगा

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निष्पादिन 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	*निष्पादन*	*सूचक (एस)*	*2019-20*	*निष्पादन*	*सूचक (एस)*	*2019-20*
	2. बाढ़ नियंत्रण, तट कटाव और जल निकास मे सुधार के साथ-साथ सिंचाई परियोजनाओं से संबंधित नदी बेसिन मास्टर योजनाओं को तैयार करना।.	2. तट कटावरोधी परियोजनाओं, बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं, जल निकास विंसकुलन परियोजनाओं और सिंचाई परियोजनाओं के लिए 1 मास्टर योजना विकसित।	1.2.6 स्लूईस का निर्माण बरभाग डीडीएस के स्लूईस के निर्माण का 30% कार्य 1.2.7 संशोधित डीपीआर की स्वीकृति और अमजूर डीडीएस के स्लूईस का 15% कार्यों को निर्माण 2.1.1 छह मास्टर योजनाओं- डारेंगे, उमसोहरिंगक्यू, गानोल, उमङ्रू, उमगोट, वाईखिरवी 2.1.2 दो (डीडीएस) की डीपीआर		कर्मचारियों के लिए और अवसंरचना सृजन 1.2.6 जल निकास विसंकुलन से 6250 हेक्टेयर भूमि की सुरक्षा 1.2.7 जल निकास विसंकुलन से 7200 हेक्टेयर भूमि की सुरक्षा 2.1.1 बाढ़ एवं तटकटाव संबंधी से भूमि की सुरक्षा के तहत 15 गांवों में कुल 6158 हेक्टेयर क्षेत्र को शामिल किया गया है। बाढ़ और तटकटाव से भूमि संरक्षण के तहत कुल अनुमानित आर्थिक लाभ 224.95 लाख रूपए है। परियोजनाओं से कुल 10085 हेक्टेयर सिंचाई	1.2.6 स्कीम के पूरा होने पर, असम के नलबाड़ी जिले में बोरभाग क्षेत्र में जल निकासी की समस्या कम हो जाएगी 1.2.7 स्कीम के पूरा होने पर, अमजुर क्षेत्र में जल निकासी की समस्या कम हो जाएगी 2.1.1 जल संसाधना परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए डीपीआर तैयार करने हेतु बुनियादी आंकड़ा आधार/प्राथमिक संदर्भ उपलब्ध होगा।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निष्पादिन 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	*निष्पादन*	*सूचक (एस)*	*2019-20*	*निष्पादन*	*सूचक (एस)*	*2019-20*
			2.1.3 नेहारी के प्रचाल को जारी रखना 2.1.4 बोर्ड द्वारा सृजित परिसंपत्तियों की आर एवं एम को जारी रखना 2.1.5 ब्रह्मपुत्र नदी का गणितीय मॉडल अध्ययन पूरा करना।		क्षमता सृजित होगी, जिसके लिए मास्टर योजना तैयार कर ली गई है। 2.1.2 असम के नगांव जिले में पोटा कलंग में 338 हेक्टेयर क्षेत्र का विसंकुलन। त्रिपुरा के धर्मनगर जिले में 200 हेक्टेयर क्षेत्र का विसंकुलन। 2.1.3 & 4 परिसंपत्तियों को जारी रखना और अनुरक्षण 2.1.5 चैनल रूटीन, वर्षा जल अपवाह, जल संसाधन स्कीमों की डिजाइन के लिए गणितीय मॉडल अध्ययन का उपयोग किया जाएगा।	 2.1.2 असम के नगांव जिले के 338 हेक्टेयर क्षेत्र को लाभ होगा। त्रिपुरा के धर्मनगर जिले के 200 हेक्टेयर क्षेत्र को लाभ होगा 2.1.3 & 4 पूर्वोत्तर क्षेत्र में जल संसाधन प्रबंधन के लिए क्षमता निर्माण 2.1.5 ब्रह्मपुत्र बेसिन में चैनल रूटीन, वर्षा जल अपवाह, जल संसाधन स्कीमों की डिजाइन के लिए सुगम संदर्भ।

10. जल संसाधन सूचना प्रणाली (डीडब्ल्यूआरआईएस) का विकास - *(केन्द्र क्षेत्र स्कीम):*

वित्तय परिव्वय (करोड़ रूपए	निष्पादन 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	***निष्पादन***	***सूचक)***	***लक्ष्य 2019-20***	***परिणाम***	***सूचक***	***लक्ष्य 2019-20***
100.00	1. जल संसाधन सूचना प्रणाली के तहत आवश्यक आंकड़ा बिन्दुओं के संग्रह के लिए अवसंरचना संवर्धन.	1.1 जलविज्ञानीय आंकड़ा संग्रह	1598 कार्य स्थलों पर जलविज्ञानीय आंकड़ा संग्रह.	1. जल संसाधन सूचना प्रणाली के कवरेज में वृद्धि	1.1. जल भंडारण के लिए तत्काल समय आधार पर निगरानी किए जा रहे अनुमानित जलाशयों की संख्या	जल भंडारण के लिए तत्काल समय आधार पर 120 प्रमुख जलाशयों की निगरानी की जाएगी।
		1.2. कार्यस्थलों की संख्या जहां जल गुणवत्ता निगरानी प्रणाली प्रचालन में है।	429 कार्य स्थलों पर जल गुणवत्ता निगरानी		1.2. समुद्र तटीय प्रबंधन सूचना प्रणाली के तहत शामिल समुद्र तट	गुजरात, गोवा और महाराष्ट्र के समुद्र तट पर आंकड़ा संग्रह करने के लिए 5 केन्द्रों को खोला जाना
		1.3. पता लगाए जाने वाले जल गुणवत्ता के पैरामीटरों की संख्या	403 स्तर-I प्रयोगशाला में : 6 जल गुणवत्ता पैरामीटरों का पता लगाया जाना। 18 स्तर-II प्रयोगशाला में : 25 जल गुणवत्ता पैरामीटरों का पता लगाया जाना। 5 स्तर-III प्रयोगशाला में : 41 जल गुणवत्ता पैरामीटरों का पता लगाया जाना।	2. नीति आयोजना और तैयारी में डब्ल्यूआरआईएस का बेहतर उपयोग।	2.1. तैयार रिपोर्टों को डाऊनलोड, आकलन और पाठ करने की संख्या	40000
		1.4. राज्यों की संख्या	6 राज्य-केरल, तमिलनाडु,		2.2. ऑनलाईन डेटाबेस के	लगभग 3 लाख

वित्तय परिव्वय (करोड़ रूपए	निष्पादन 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	***निष्पादन***	***सूचक)***	***लक्ष्य 2019-20***	***परिणाम***	***सूचक***	***लक्ष्य 2019-20***
		जिसके लिए समुद्र तटीय प्रबंधन सूचना प्रणाली प्रचालन में है।	पुदुच्चेरी, गोवा, महाराष्ट्र और गुजरात		सक्रिय प्रयोक्ताओं/विजीटरों की संख्या।	
		1.5. जल भंडारण के लिए तत्काल समय आधार पर निगरानी किए जाने वाले अतिरिक्त जलाशयों की संख्या	जल भंडारण के लिए तत्काल समय आधार पर 66 अतिरिक्त जलाशयों की निगरानी किया जाना, कुल 120	3. बाढ़ के कारण जीवन की संपत्ती की हानि को कम करना।	3.1. लोगों और पशुधन को समय पर बाहर निकालने के लिए 275 पूर्वानुमान केन्द्रों के माध्यम से किए गए पूर्वानुमानों की संख्या	वर्ष 2019-20 के दौरान देश भर में वर्तमान मौनसून स्थिति पर संख्या निर्भर होगी।
	2. बाढ़ पूर्वानुमान गतिविधि के तहत कवरेज क्षेत्र और लीड समय में वृद्धि	2.1. हाईड्रोडायनामिक बाढ़ पूर्वानुमान मॉडलों के आधार पर वर्षापात का उपयोग करते हुए बाढ़ पूर्वानुमान	सभी बाढ़ पूर्वानुमान कार्यस्थलों के लिए मॉडल तैयार कर लिए गए हैं। अत: सभी 275 बाढ़ पूर्वानुमान कार्य स्थलों पर हाईड्रोडायनामिक बाढ़ पूर्वानुमान मॉडलों के आधार पर बाढ़ पूर्वानुमान किए जाएंगे।			
		2.2. तत्काल समय आंकड़ा संग्रह प्रणाली संस्थापन	तत्काल समय आंकड़ा संग्रह प्रणाली सहित 458 में से 270 केन्द्रों को संस्थापित कर दिया गया है। मार्च, 2020 शेष 188 केन्द्रों को संस्थापित कर दिया जाएगा।			

वित्तय परिव्वय (करोड़ रूपए	निष्पादन 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	***निष्पादन***	***सूचक)***	***लक्ष्य 2019-20***	***परिणाम***	***सूचक***	***लक्ष्य 2019-20***
		2.3. प्रायोगिक आधार पर हाईड्रोडायनामिक मॉडलों का उपयोग करते हुए आप्लावन बाढ़ पूर्वानुमान	यमुना बेसिन के मॉडल का विकास			

11.* भूजल प्रबंधन और विनियमन *(*जीडब्ल्यूएम और आर*) - (*केन्द्र क्षेत्र स्कीम*):

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निष्पादन 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	***निष्पादन***	***सूचक***	***लक्ष्य 2019-20***	***परिणाम***	***सूचक***	***लक्ष्य 2019-20***
260.00	1. भूमि जल संसाधनों की सततता सुनिश्चित करने के लिए जलभृत मानचित्र और प्रबंधन योजनाएं तैयार करना।	कुल क्षेत्र (लाख वर्ग कि.मी) जिसके लिए जलभृत मानचित्र प्रबंधन योजना तैयार की गई है।	2.2 लाख कि.मी.^{2}	भूमि जल संसाधनों की सततता के लिए बेहतर आंकड़ा/सूचना और ज्ञान आधार। .	भूमि जल संसाधनों की सततता और स्टेक होल्डरों के संवेदीकरण के लिए आंकड़ा/सूचना काक प्रसार और ज्ञान आधार के लिए कई आऊटरीच कार्यक्रम आयोजित किए गए।	61
	2. भूमि जल स्थल और गुणवत्ता की स्थिति	सीजीडब्ल्यूबी की मॉनिटरिंग नेटवर्क के माध्यम से भूमि जल स्तरों की निगरानी	*4 (वर्ष में 4 बार किया जाना)*	राज्य विभागों के साथ देश में भूमि जल परिदृश्य की अद्यतन सूचना सहित भूमि जल निगरानी रिपोर्टों को	कई बार सूचना अद्यतन किए जाते हैं और राज्य सरकारी विभागों के साथ साझा किए जाते है और	4

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	**निष्पादन 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	***निष्पादन***	***सूचक***	***लक्ष्य 2019-20***	***परिणाम***	***सूचक***	***लक्ष्य 2019-20***
		की संख्या		साझा करना।	इंडिया-डब्ल्यूआरआईएस पोर्टल के माध्यम से साझा किया जाता है।	
		सीजीडब्ल्यूबी की मॉनिटरिंग नेटवर्क के माध्यम से भूमि जल गुणवत्ता की वार्षिक निगरानी	*1 (वर्ष में 1 बार किया जाना)*			

12. राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना (एनएचपी) - *(केन्द्र क्षेत्र स्कीम):*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	**निष्पादन 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	***निष्पादन***	***सूचक***	***2019-20***	***निष्पादन***	***सूचक***	***2019-20***
250.00	1. एकीकृत जल संसाधन सूचना प्रणाली का सुदृढ़ीकरण	1.1 राष्ट्रीय जल सूचना केंद्र		1. जल संसाधन प्रबंधन के लिए उन्नत जल संसाधन सूचना	1.1 जल आंकड़ा ऑनलाईन के लिए केन्द्रों की संख्या	10,000 केन्द्र
		1.1.क ऑनलाईन जल आंकड़ा	हां		(i) नदी और जलाशय डेशबोर्ड (ii) भूमि जल (iii) वाष्पन-उत्सर्जन (iv) मृदा नमी (v) वर्षापात (vi) जल स्तर	राज्य स्तर पर समय श्रृंखला और स्थानीक सूचना
		1.1.ख डैशबोर्ड का विकास	हां			
		1.1.ग जेनेरीक राज्य का विकास-डब्लयूआरआईएस	हां			
		1.1.घ जल लेखा परीक्षा फ्रेम वर्क का विकास	हां			
	2.केन्द्रीयकृत जल मौसम आंकड़ा आधार	2.1 संस्थापित जल मौसम प्रणाली की संख्या	500	2. प्रणाली का सुदृढ़ीकरण	2.1 सुदृढ़ीकृत किए गए हाईमेट निगरानी प्रणालियों के साथ राज्यों की संख्या	4
		2.2 अभिकरणों की संख्या	5			
	3.संस्थान सुदृढ़ीकरण	3.1 आंकड़ा केन्द्र का निर्माण	2	3. जल संसाधन पेशवरों हेतु बेहतर क्षमता निर्माण	जल संसाधन पेशवरों हेतु क्षमता निर्माण	150
		3.2 प्रशिक्षण की संख्या	15			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निष्पादन 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	***निष्पादन***	***सूचक***	*2019-20*	***निष्पादन***	***सूचक***	*2019-20*
		3.3 कार्यशाला/सम्मेलन और सेमिनार की संख्या	4			
	4. आप्लावन पूर्वानुमान की स्थपना	4.1 बेसिन में डीईएम का संग्रह	2	4. बाढ़ पूर्वानुमान के लिए बेहतर प्रतिक्रिया	टेस्ट आप्लावन परामर्श हेतु कवर किया गया क्षेत्र (वर्ग कि.मी.)	5000
		4.2 बेसिनों में आप्लावन परीक्षण पूर्वानुमान	1			

13. अनुसंधान एवं विकास (आर एवं आर) तथा राष्ट्रीय जल मिशन (एनडब्ल्यूएम) का कार्यान्यवन- (केन्द्रीय क्षेत्र की स्कीम):

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	**निष्पादन 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	***निष्पादन***	***सूचक***	***लक्ष्य 2019-20***	***परिणाम***	***सूचक***	***लक्ष्य 2019-20***
50.00	1. अनुसंधान एवं विकास आधार में वृद्धि करना	1.1. अनुसंधान/तकनीकी रिपोर्टों का प्रकाशन	150	बेहतर स्वेदेशी विकसित प्रौद्योगिकी का उपयोग, बेहतर अधिकारि क्षमताएं तथा विस्तृत अनुसंधान आधारित उपयोग	1.1 क्षमता निर्माण सेशनों द्वारा क्षमता निर्माण किए गए प्रशिक्षित व्याक्तियों की संख्या तथा अतिरिक्त सुविधाएं और सृजित अनुसंधान अवसंरचना	650 (प्रशिक्षित किए जाने हैं)
		1.2. अनुसंधान पेपर -	250			
		1.3 .प्रशिक्षण और कार्यशालाएं -	30			
		1.4 . दूरसंवेदी तकनीकों द्वारा जलाशयों में गाद का अनुमान लगाना।	20		1.2 कृषि, जल उपयोग दक्षता, एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन, हाईड्रोलिक डिजाइन, जलवायु परिवर्तन प्रभाव	सूचित किए जाने वाले प्रशंसा पत्रों की संख्या

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निष्पादन 2019-20			परिणाम 2019-20		
		1.5 देश मे महत्वपूर्ण जलाशयों के हाईड्रोग्राफिक संवेक्षण द्वारा जलाशयों में गाद का आकलन	10		अध्ययनों आदि हेतु बेहतर आयोजना और जल संसाधनों संरचनाओं जल बचत/संरक्षण तकनीकों के क्षेत्र में बेहतर तकनीकों हेतु सिफारिशों वाले तकनीकी रिपोर्ट और अनुसंधान पत्रों के लिए प्रशंसा पत्र। जो कि जनता के पैसे और कीमती संसाधनों को बचाने में मदद करेगा।	
		1.6 भारत में नदियों का भूआकृतिक अध्ययन	7			
	2. राष्ट्रीय जल मिशन	2.1. तैयार राज्य विशिष्ट कार्रवाई योजनाओं की संख्या	24	2.1 राज्य जल बटल तैयार करना	2.1. 11 राज्यों के लिए स्थिति रिपोर्ट, अंतरिम रिपोर्ट और एसएसएपी योजनाओं को तैयार करने के % में प्रक्रिया	60%
		2.2. आयोजित मानव संसाधन विकास और क्षमता निर्माण प्रशिक्षणों की संख्या	12	2.2 जल संरक्षण/जल उपयोग दक्षता के लिए विभिन्न स्टेक होल्डरों का क्षमता निर्माण	2.2.प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या	250
		2.3. एनबीडब्ल्यूयूई की	1	2.3. & 2. सिंचाई क्षेत्र	2.3. & 2. सिंचाई	26

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निष्पादन 2019-20			परिणाम 2019-20		
		स्थापना		(बृहत/मध्यम सिंचाई परियोजना) में डब्लयूयूई का आकलन	परियोजना में आधार रेखा अध्ययनों की संख्या, जिसके लिए शुरूआती रिपोर्टें/मसौदा रिपोर्टें तैयार कीगई है।	
		2.4. पूर्ण आधार रेखा अध्ययनों की संख्या	26			
		2.5. प्रदर्शन / बैंचमार्किंग/पूर्ण प्रायोगिक परियोजनाओं की संख्या	4	2.5. जल के संरक्षण और प्रदूषण निवारण के लिए आधुनिक और नई प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन	2.5. प्रदर्शनात्मक परियोजनाओं की संख्या जिसमें मसौदा अंतिम रिपोर्ट तैयार करने और जल संरक्षण के लिए प्रौद्योगिकी के कार्यान्वयन हेतु सिफारिश किए गए थे।	4

14. मानस संसाधन विकास/क्षमता निर्माण कार्यक्रम (एचआरडी एवं सीबी) - (केन्द्र क्षेत्र स्कीम):

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निष्पादन 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	***निष्पादन***	***सूचक***	***लक्ष्य 2019-20***	***परिणाम***	***सूचक***	***लक्ष्य 2019-20***
60.00	क) नेरीवाल्म, तेज़पुर:					
(*कुल एचआरडी-सीबी स्कीम*)	1. क्षमता निर्माण जागरूकता गतिविधि और अनुसंधान एवं विकास के लिए सहायता	1.1. आयोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षणों की संख्या	55	1. जागरूकता वृद्धि, जल संसाधन पेशेवरों के ज्ञान/कौशलों का अपग्रेडेशन	1.1. भूमि जल प्रबंधन में प्रशिक्षित कार्मिकों की संख्या	93
		1.2. आयोजित अंतर-राष्ट्रीय प्रशिक्षणों की संख्या	01			
		1.3. भूमि जल क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास अध्ययनों से तैयार रिपोर्टों की संख्या	-		1.2. प्रकाशनों की संख्या	06
		1.4. आयोजित सेमिनारों/कार्यशालाओं/सम्मेलन/विशेष दिवसों की संख्या	10		1.3. सतत जल प्रबंधन में प्रशिक्षित कार्मिकों की संख्या	1950
		1.5. विज्ञापनों, आऊटडोर प्रचार, इलेक्ट्रोनिक मीडिया अभियान, प्रदर्शनों में भागीदारी को शामिल करते हुए मीडिया अभियान जैसी आयोजित आऊटरीच	05			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निष्पादन 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	***निष्पादन***	***सूचक***	***लक्ष्य 2019-20***	***परिणाम***	***सूचक***	***लक्ष्य 2019-20***
		गतिविधियों की संख्या				
		1.6. जनजातीय क्षेत्रों/बच्चों के लिए आयोजित विशेष अभियानों की संख्या	06		1.4. सतत जल प्रबंधन के लिए पद्धतियों/बेहतर उपायों के संबंध में जागरूकता सृजन संबंधी कार्यकलापों के माध्यम से शामिल जनजातीय लोगों की संख्या	600
	ख) राष्ट्रीय जल अकादमी (एनडब्ल्यूए) पुणे:					
	1. क्षमता निर्माण जागरूकता गतिविधि और अनुसंधान एवं विकास के लिए सहायता	1.1. आयोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षणों की संख्या	32	1. जागरूकता वृद्धि, जल संसाधन पेशेवरों के ज्ञान/कौशलों का अपग्रेडेशन	1.1. भूमि जल प्रबंधन में प्रशिक्षित कार्मिकों की संख्या	750
		1.2. आयोजित अंतर-राष्ट्रीय प्रशिक्षणों की संख्या	02		1.2. सतत जल प्रबंधन में प्रशिक्षित कार्मिकों की संख्या	50
		1.3. भूमि जल क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास अध्ययनों से तैयार रिपोर्टों	70		1.3. सतत जल प्रबंधन में प्रशिक्षित कार्मिकों की संख्या	800 (प्रशिक्षित किया जाना)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निष्पादन 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	*निष्पादन*	*सूचक*	*लक्ष्य 2019-20*	*परिणाम*	*सूचक*	*लक्ष्य 2019-20*
		की संख्या				
		1.4. प्रशिक्षण के मानव सप्ताह	1750		1.4. सतत जल प्रबंधन के लिए पद्धतियों/बेहतर उपायों के संबंध में जागरूकता सृजन संबंधी कार्यकलापों के माध्यम से शामिल जनजातीय लोगों की संख्या	150
		1.5. विज्ञापनों, आऊटडोर प्रचार, इलेक्ट्रोनिक मीडिया अभियान, प्रदर्शनों में भागीदारी आदि को शामिल करते हुए मीडिया अभियान जैसी आयोजित आऊटरीच गतिविधियों की संख्या	0			
		1.6. जनजातीय क्षेत्रों/बच्चों के लिए आयोजित विशेष अभियानों की संख्या	1			
	ग) राजीव गांधी राष्ट्रीय भूमिजल और प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (एनजीडब्ल्यूटीआरआई):					
	1. क्षमता निर्माण जागरूकता	1.1. आयोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षणों की संख्या	110	1. जागरूकता वृद्धि, जल संसाधन पेशेवरों के ज्ञान/कौशलों का अपग्रेडेशन	1.1. भूमि जल प्रबंधन में प्रशिक्षित कार्मिकों की संख्या	800
		1.2. आयोजित अंतर-राष्ट्रीय प्रशिक्षणों की संख्या	0		1.2 प्रकाशनों की संख्या	0
		1.3. भूमि जल क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास	02		1.3. सतत जल प्रबंधन में प्रशिक्षित कार्मिकों की	02

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निष्पादन 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	***निष्पादन***	***सूचक***	***लक्ष्य 2019-20***	***परिणाम***	***सूचक***	***लक्ष्य 2019-20***
	गतिविधि और अनुसंधान एवं विकास के लिए सहायता	अध्ययनों से तैयार रिपोर्टों की संख्या			संख्या	
		1.4. आयोजित सेमिनारों/कार्यशालाओं/सम्मेलन/विशेष दिवसों की संख्या	0		1.4. सतत जल प्रबंधन के लिए पद्धतियों/बेहतर उपायों के संबंध में जागरूकता सृजन संबंधी कार्यकलापों के माध्यम से शामिल जनजातीय लोगों की संख्या	0
		1.5. विज्ञापनों, आऊटडोर प्रचार, इलेक्ट्रोनिक मीडिया अभियान, प्रदर्शनों में भागीदारी आदि को शामिल करते हुए मीडिया अभियान जैसी आयोजित आऊटरीच गतिविधियों की संख्या	0			
		1.6. जनजातीय क्षेत्रों/बच्चों के लिए आयोजित विशेष अभियानों की संख्या	0			
	घ) जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय के प्रशिक्षण:					
	जल संसाधन आयोजना विकास और प्रबंधन के क्षेत्र	ऐसे अधिकारी/कर्मचारियों के लिए विषय परिचायन प्रशिक्षण आयोजित करना जिनकी नई	वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए विभिनन	जल संसाधन आयोजना विकास और प्रबंधन के क्षेत्र में जल संसाधन पेशेवरों के	इस क्षेत्र में प्रशिक्षित कार्मिकों की संख्या	200 से अधिक अधिकारी/कर्मचारी

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निष्पादन 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	***निष्पादन***	***सूचक***	***लक्ष्य 2019-20***	***परिणाम***	***सूचक***	***लक्ष्य 2019-20***
	में जल संसाधन पेशेवरों के साथ-साथ गैर-तकनीकी कर्मचारियों की जागरूकता वृद्धि, ज्ञान और कौशल का अपग्रेडेशन जिससे भारत में जल संसाधन के सतत विकास और संरक्षण में योगदान दे सके।	तैनाती हुई है। (ii) कार्यस्थल पर इनहाऊस/कार्य करने के दौरान प्रशिक्षणों का आयोजन करना (iii) विषय विशिष्ट प्रशिक्षणों के लिए अधिकारियों/कर्मचारियों को तैनात करना (iv) आईएसटीएम और अन्य संवर्ग संस्थानों में सीएसएस, सीएसएसएस केन्द्रीय स्टाफिंग स्कीम के विभिन्न स्तर के अधिकारियों के लिए अनिवार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम (v) एनआईएच, रूड़की, एनडब्लयूए, पुणे और नेरवाल्म, तेज़पुर में उन्नत कम्प्यूटर पाठ्यक्रम, ई-ऑफिस, ई-गवर्नेंस जल क्षेत्र संबंधी प्रशिक्षण	प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए 200 से अधिक अधिकारियों/कर्मचारियों को भेजा जाएगा।	साथ-साथ गैर-तकनीकी कर्मचारियों की जागरूकता वृद्धि, ज्ञान और कौशल का अपग्रेडेशन जिससे भारत में जल संसाधन के सतत विकास और संरक्षण में योगदान दे सके।		

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निष्पादन 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	***निष्पादन***	***सूचक***	***लक्ष्य 2019-20***	***परिणाम***	***सूचक***	***लक्ष्य 2019-20***
	ङ) आईईसी:					
	"पेन इंडिया आधार के संबंध में जल संरक्षण से संबंधित मुद्दों पर व्यापक जनजागरूकता "	कार्यशाला/सेमिनार आदि	22	जागरूकता वृद्धि, जल संसाधन पेशेवरों के ज्ञान/कौशलों का अपग्रेडेशन	ऐसे लोगों की संख्या जिन लोगों तक ऐसे कार्यक्रम के लाभ पहुंचे हैं।	लगभग 65 कार्यक्रम/आयोजनों के लाभार्थी
		2. विज्ञापन (प्रिंट मीडिया)	6			
		3. सेमिना/ सम्मेलनों/ विशेष दिवसों का आयोजन	4			
		4. इलेक्ट्रोनिक मीडिया (रेडियों+टीवी) के माध्यम से प्रचार	8			
		5. रेडियों जिंगल्स/वीडियों स्पॉट/टीवीसी आदि का निर्माण	4			
		6. प्रदर्शन/मेला और प्रतियोगिताओं में भागीदारी	7			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निष्पादन 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	*निष्पादन*	*सूचक*	*लक्ष्य 2019-20*	*परिणाम*	*सूचक*	*लक्ष्य 2019-20*
		7. बच्चों के लिए आयोजन/कार्यक्रम	1			
		8. आऊटडोर प्रचार	1			
		9. जनजातीय क्षेत्रों में व्यापक जनजागरूकता	12			
		10. अन्य आईईसी कार्यकलाप	-			

15. अवसंरचना विकास *(आईडी) – (केन्द्र क्षेत्र स्कीम)*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	**निष्पादन 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	***निष्पादन***	***सूचक***	***2019-20***	***निष्पादन***	***सूचक***	***2019-20***
60.00	1. एसएफसी में यथा अनुमोदित चार अन्य स्थानों पर सीडब्ल्यूसी के भवनों और सेवाओं के निर्माण और नवीकरण को जारी रखना	1.1. निर्मित/नवीनीकृत सीडब्लयूसी के भवनों और सेवाओं की संख्या	4	1,2 & 3: कार्यों को पूरा करने के संबंध में बेहतर काम करने का महौल। कार्यों को पूरा करने के संबंध में मासिक किराए का बचत।	1.1, 2.1 & 3.1: कर्मचारियों का संतुष्टि स्तर. बाजार दर पर मासिक किराए के भुगतान पर मासिक बचत की अदायगी पर बचत (रूपए)	सार्वजनिक सर्वेक्षण के दौरान आधार रेखा पर संतुष्टि स्तर का निर्धारण किया जाएगा और तद्नुसार उचित रूप से उनमें सुधार का लक्ष्य निर्धारित किया जाएगा।
	2. एसएफसी में यथा अनुमोदित विभिन्न स्थानों पर सीजीडब्ल्यूबी के भवनों और सेवाओं के निर्माण और नवीकरण को जारी रखना	2.1. निर्मित सीजीडब्ल्यूबी के भवनों और सेवाओं की संख्या	7			
	3. मंत्रालय में लगभग 15 कमरों का नवीकरण	3.1. मंत्रालय में नवीनीकृत कमरों/शौचालयों की	10			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निष्पादन 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	***निष्पादन***	***सूचक***	*2019-20*	***निष्पादन***	***सूचक***	*2019-20*
		संख्या				
	4. मंत्रालय के तहत 3 संगठनों में ई-ऑफिस का कार्यान्वयन	4.1. ऐसे संगठनों की संख्या जहां ई-ऑफिस कार्यान्वित किया गया है (90% से अधिक फाइलों का प्रक्रियान्वयन)।	60 %	4. ई-ऑफिस के कार्यान्वयन पर फाईलों का तेजी से निपटान तीन संगठनों में ई-फाइलों के रूप में 90% फाइलों से अधिक का प्रक्रियान्वयन	4.1 तीन संगठनों में कार्यरत % अधिकारी ई-ऑफिस एप्लीकेशन का उपयोग करेंगे। (संख्या में) तीन संगठनों में ई-फाइलों के रूप में 90% फाइलों से अधिक का प्रक्रियान्वयन (हां/नहीं)	
	5. मंत्रालय के तहत छह संगठनों में ई-एचआरएमएस का कार्यान्वयन	5.1. ऐसे संगठनों की संख्या जहां ई-एचआरएमएस कार्यान्वित हैं।	3	5. मानव संसाधन की बेहतर निगरानी।	5.1. ऑनलाईन एपीएआर, ऑनलाईन अवकाश प्रबंधन प्रणाली डीजीटीकृत सेवा पुस्तिकाओं आदि के लिए ई-एचआरएमएस के तहत नामांकित कम से कम चार (छ में से) संगठनों में कार्यरत कर्मचारियों का %.	

16. पोलावरम बहुउद्देशीय परियोजना - (केन्द्र क्षेत्र स्कीम):

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	**निष्पादन 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	***निष्पादन***	***सूचक***	***2019-20***	***निष्पादन***	***सूचक***	***2019-20***
नाबार्ड निधियन (ईबीआर) के माध्यम से	1. परियोजना में निर्माण कार्यों को जारी रखना	1.1. जारी निधियों से जुड़ी परियोजनाओं के अर्थ कार्यों, कंकरिट और संरचना संबंधी वास्तविक प्रगति का %	अर्थ कार्य – 395.17 एल. क्यू. 10.72 % लाईनिंग – 7.03 एल.क्यू.20.76 % संरचनाएं - 26.85 एल.क्यू.39.13% एल.ए.- 56529एकड़.33.92% आरएवंआर – 80000 पीडीएफ.75.76% भवन - 0.02% विविध- 1.81%	1. परियोजना के आवाह क्षेत्र में सिंचाई क्षमता और पेयजल आपूर्ति का सृजन	1.1. इस परियोजना के कारण सृजित कुल सिंचाई क्षमता (लाख हेक्टेयर)	शून्य*
					1.2. इस परियोजना के तहत सृजित अवसंरचना के माध्यम से उपयोग की गई कुल सिंचाई क्षमता (लाख हेक्टेयर)	शून्य**
		1.2. जारी निधियों से संबंधित पूर्ण नहर कार्यों की कुल लम्बाई (कि.मी.)	80 कि.मी.		1.3 आपूर्तिकृत पेयजल की मात्रा	शून्य**

टिप्पण: *ताडीपुडी लिफ्ट सिंचाई स्कीम और पुष्करा लिफ्ट सिंचाई स्कीम के तहत 1,21,061 हेक्टेयर क्षेत्र की सिंचाई क्षमता का उपयोग किया गया था, जिसे इसके पूरा होने के पश्चात् पोलावरम सिंचाई परियोजना के तहत जोड़ दिया जाएगा।.

**सिंचाई और पेयजल आपूर्ति के लिए जलापूर्ति संबंधी अपेक्षित अवसंरचना आवश्यकता को वर्तमान वित्तीय वर्ष के भीतर पूरा किए जाने की संभावना नहीं है।

17. राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना (गंगा बेसिन के अतिरिक्त) - (केंद्र प्रयोजित स्कीम):

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**2019-20**	**निर्गम**	**संकेतक**	**2019-20**
196.00	1. नदी पारिस्थितिकी तंत्र का संरक्षण	1.1 एनआरसीपी के अंतर्गत आने वाले प्रदूषित नदी खंडों की संख्या	नंबुल नदी पर एक अतिरिक्त खंड	1. नदियों में प्रदूषण में कमी।	1.1. बीओडी लोड को नदी तक पहुंचने से रोकना	31 टन/दिन
		1.2 एनआरसीपी के अंतर्गत आने वाले प्रदूषित शहरों की संख्या	इंफाल का एक अतिरिक्त शहर	2. नदियों से निकासी को रोकने के लिए अपशिष्ट जल का पुनः प्रयोग और पुनर्चक्रण।	2.1. कृषि, औद्योगिक और घरेलू मांग को पूरा करने के लिए शोधित किए गए अपशिष्ट जल के पुनः प्रयोग और पुनर्चक्रण की मात्रा (एमएलडी)।	48 एमएलडी (वासना एसटीपी से अहमदाबाद तक उपचारित अपशिष्ट जल का सिंचाई के लिए उपयोग किया जाए)
		1.3 एनआरसीपी के अंतर्गत आने वाले प्रदूषित राज्यों की	मणिपुर का एक अतिरिक्त राज्य			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	2019-20	निर्गम	संकेतक	2019-20
		संख्या				
	2. इंटरसेप्शन डायवर्जन, और नदी में बहने वाले अपशिष्ट जल का उपचार	2.1 सीवेज शोधन क्षमता सृजित (एमएलडी)	155 एमएलडी अहमदाबाद में			
		2.2 एसटीपी की संख्या	01			

*****